

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग -2

देहरादून: दिनांक 20 फरवरी, 2015

विषय :- खेल अवस्थापना सुविधा योजना (यू0एस0आई0एस0) के अन्तर्गत महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर, देहरादून में सिन्थैटिक टर्फ हॉकी लगाये जाने विषयक।

महोदय,

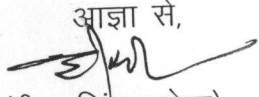
उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1125/हॉकी-एस्ट्रो0नि0पत्रा0/13-14 दिनांक 20.01.15 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि खेल अवस्थापना सुविधा योजना (यू0एस0आई0एस0) के अन्तर्गत महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर, देहरादून में सिन्थैटिक टर्फ हॉकी लगाये जाने हेतु टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित ₹ 620.40 लाख (सिविल निर्माण कार्य हेतु ₹ 141.62 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार कराये जाने वाले कार्य हेतु ₹ 478.78 लाख) के सापेक्ष शासनादेश संख्या-243/VI-2/2014-22(13)13 दिनांक 19.06.14 द्वारा धनराशि ₹ 179.994 लाख वित्तीय वर्ष 2013-14 में उपलब्ध करा दिये जाने के उपरान्त भारत सरकार से खेल अवस्थापना सुविधा योजना (यू0एस0आई0एस0) के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अवशेष धनराशि ₹ 440.406 लाख उपलब्ध करा दिये जाने की प्रत्याशा में इतनी ही धनराशि संगत मानक मद से आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013, में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। उक्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं0-474/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. महाप्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, देहरादून।
8. प्रधानाचार्य, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर, देहरादून।
9. एन0आई0सी0 देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
 (हीरा सिंह बसेड़ा)  
 अनुसचिव।